भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 844

जिसका उत्तर 06 फरवरी, 2020 को दिया जाना है।

.....

नदियों को आपस में जोड़ना

844. श्री मुकेश राजपूत:

क्या **जल शक्ति मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का नदियों को आपस में जोड़ने का विचार है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार गंगा में मिलने वाली नदियों को साफ करने के लिए प्रतिबद्ध है;□ □□

(□) यदि □□,□□ तत्संबं□□ ब्यौरा क्या □□□□ □□□ नदी की □□□□ □□ □□ □□□□की □□□□□□ □□?

उत्तर

जल शक्ति और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री (श्री रतन लाल कटारिया)

(□) □□ (□) तत्कालीन सिंचाई मंत्रालय (वर्तमान में जल शक्ति मंत्रालय) द्वारा जल का अंत - बेसिन □तरण के माध्यम से जल संसाधन के विकास हेतु जलाधिक बेसिन से जल न्यून बेसिन में □□ अंतरित करने के लिए अगस्त, 1980 में राष्ट्रीय परिदृश्य योजना (एनपीपी) तैयार की गई □□□ एनपीपी के अंतर्गत, राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण (एनडब्ल्यूडीए) ने व्यवहार्यत□ रिपोर्ट (ए□ □□) तैयार करने के लिए 30 नदी जोड़ों (प्रायद्वीपीय घटक के तहत 16 तथा हिमालयी घटक के तहत 14) की पहचान की है।

इस एनपीपी के अंतर्गत, प्रायद्वीपीय नदी घटक के अंतर्गत विस्तृत परियोजना रिपोर्टों (डीपीआर) क□ □□□□ करने के लिए चार प्राथमिकता प्राप्त नदी जोड़ों अर्थात केन-□□□□ नदी जोड़ परियोजना (□□□□□□□□), □□□□□□-पिंजल नदी □□□ परियोजना, □□□-□□□□-नर्मदा नदी जोड़ परियोजना एवं गोदावरी-कावेरी नदी जोड़ परियोजना की पहचान की गई है। केबीएलपी, □□□□□□-पिंजल नदी जोड़ परियोजना एवं पार-□□□□-नर्मदा नदी जोड़ परियोजना की डीपीआर सभी संबंधित राज्यों को भेजी गई हैं। गोदावरी (इंचमपल्ली/□□□□□□)-कृष्णा (नागार्जुन सागर), कृष्णा (नागार्जुन सागर)-पेन्नार (सोमासिला), पेन्नार (सोमासिला)-कावेरी (ग्रैंड ऐनीकट) नदी जोड़ परियोजना□ □को मिलाकर गोदावरी कावेरी नदी जोड़ परियोजना की मसौदा डीपीआर को तैयार कर लिया गया है और मार्च, 2019 में पक्षकार राज्यों को परिचालित की गई है।

नदी नदी जोड़ परियोजनाओं के क्रियान्वयन में विभिन्न आयाम यथा नदी जोड़ों की पूर्व व्यवहार्यता रिपोर्टें/व्यवहार्यता रिपोर्टें संबंधित राज्यों के बीच वार्ता एवं सहमति, परियोजनाओं की डीपीआर तैयार □□□□ पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, जनजातीय कार्य मंत्रालय से अनापत्ति, जल शक्ति मंत्रालय की सिंचाई, बाढ़ नियंत्रण एवं बहुउद्देशीय परियोजनाओं □□□□ सलाहकार समिति से□ तकनीकी-आर्थिक स्वीकृति तथा निवेश अनापत्ति शामिल हैं।

संबंधित राज्यों की सहमति से इसकी डीपीआर तैयार करने तथा वांछित सांविधिक अनापत्ति प्राप्त करने के बाद परियोजना क्रियान्वयन के स्तर तक पहुंचेगी।

(□) □□ (□) नदियों की सफाई एक सतत प्रक्रिया है तथा भारत सरकार गंगा नदी एवं इसकी सहायक नदियों के प्रदूषण की समस्या का समाधान निकालने के लिए राज्यों के प्रयास में उन्हें वित्तीय एवं तकनीकी सहायता मुहैया कर सहायता करती है। मई, 2015 में भारत सरकार ने नमामि □□□कार्यक्रम शुरू किय□ □□ जो व्यापक आयोजना एवं प्रबंधन हेतु नदी बेसिन दृष्टिकोण अपनाकर प्रदूषण की रोकथाम एवं गंगा नदी का संरक्षण सुनिश्चित करने हेतु एक एकीकृत समग्र कार्यक्रम है। नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत मल निकासी, औद्योगिक बहिस्राव, □□□ अपशिष्ट आदि की निकासी सहित प्रदूषण □□□□□ गतिविधियां, रीवर फ्रंट प्रबंधन, अविरल धारा, ग्रामीण स्वच्छता, □□□□□, जैवविविधता संरक्षण, जनभागीदारी आदि जैसी विभिन्न गतिविधियां गंगा की सफाई एवं पुनरूद्धार हेतु किए गए हैं।

जहां तक छोटी नदियां/सहायक नदियों का संबंध है, प्रदूषण प्राथमिकता तथा प्रदूषण की रोकथाम की आवश्यकता के आधार पर यमुना, काली, □□□□□, □□□□ □□□□, □□□□□, □□□□, रिसपाना, खारकी, कोसी एवं बूढ़ी गंडक के किनारे स्थित सहायक नदियों वाले 27 शहरों में 39 परियोजनाएं चलाई □□ हैं ताकि उन्हें प्रदूषण मुक्त किया जा सके।

□□ □□, नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत, दिसंबर, 2019 □□ □□□ 310 परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं, जिसमें से 114 परियोजनाएं पूरी की गई हैं।

****